

Drugs for Dementia

मनोभ्रंश (डिमेंशिया) की दवाएँ

मनोभ्रंश की दवाएँ क्या हैं?

मनोभ्रंश की दवाएँ मनोभ्रंश के लक्षणों, विशेष रूप से अल्ज़ाइमर रोग, जो मनोभ्रंश का सबसे आम रूप है, के प्रबंधन के लिए उपयोग की जाने वाली दवाएँ हैं। चूँकि अल्ज़ाइमर रोग का कोई इलाज नहीं है, इसलिए इन उपचारों का प्राथमिक लक्ष्य मनोभ्रंश से पीड़ित व्यक्ति और उनके देखभाल करने वालों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। ये संज्ञानात्मक गिरावट को धीमा कर सकते हैं, व्यवहार संबंधी लक्षणों को नियंत्रित कर सकते हैं और विशिष्ट लक्षणों या सहवर्ती स्थितियों का इलाज कर सकते हैं।

अल्ज़ाइमर रोग के लक्षणों के प्रबंधन के लिए दो प्रकार की मनोभ्रंश दवाएँ उपलब्ध हैं:

- **एसिटाइलकोलिनेस्टरेज़ (AChE) अवरोधक** (*डोनेपेज़िल, गैलैंटामीन, रिवास्टिग्मीन*): ये दवाएँ एसिटाइलकोलाइन के टूटने को रोकती हैं, जो स्मृति और सोच के लिए महत्वपूर्ण एक मस्तिष्क रसायन है। इन्हें हल्के से मध्यम अल्ज़ाइमर लक्षणों के लिए निर्धारित किया जाता है।
- **NMDA विरोधी** (*मेमैंटेन*): यह दवा ग्लूटामेट नामक अतिरिक्त मस्तिष्क रसायन से जुड़े विषाक्त प्रभावों को रोकती है और इसके सक्रियण को नियंत्रित करती है। यह मध्यम से गंभीर अल्ज़ाइमर लक्षणों के लिए निर्धारित है।

अन्य दवाओं का भी उपयोग मनोभ्रंश रोगियों में व्यवहारिक और मानसिक लक्षणों के साथ किया जा सकता है। चिंता, बढ़ी हुई उत्तेजना, आक्रामकता, भ्रम और भ्रमात्मक अनुभूतियों जैसे लक्षणों को नियंत्रित करने के लिए मनोविकार रोधी (एंटीसाइकोटिक) और अवसादरोधी एंटीडिप्रेसेंट दवाओं का उपयोग किया जा सकता है।

इसके सामान्य दुष्प्रभाव क्या हैं?

मनोभ्रंश दवाओं के प्रकार	सामान्य दुष्प्रभाव	टिप्पणियाँ
एसिटाइलकोलिनेस्टरेज़ अवरोधक डोनेपेज़िल, गैलैंटामीन, रिवास्टिग्मीन	<ul style="list-style-type: none"> ➤ दस्त ➤ मतली और उल्टी ➤ भूख में कमी ➤ सिरदर्द ➤ नींद आना ➤ चक्कर आना ➤ नींद में बाधा ➤ डरावने और असामान्य सपने ➤ मांसपेशियों में ऐंठन 	भोजन के साथ लें, अधिमानतः पूरा भोजन, ताकि पेट संबंधी दुष्प्रभावों को कम किया जा सके।
NMDA विरोधी मेमैंटेन	<ul style="list-style-type: none"> ➤ सिरदर्द ➤ कब्ज ➤ नींद आना ➤ चक्कर आना ➤ भ्रम ➤ थकान ➤ वजन बढ़ना ➤ पेशाब करने में कठिनाई 	हर दिन एक ही समय पर, भोजन के साथ या बिना भोजन के लिया जा सकता है।

क्या मैं अपनी मनोभ्रंश की दवाइयाँ लेना बंद कर सकता / सकती हूँ?

अपने डॉक्टर से सलाह लिए बिना मनोभ्रंश की दवाइयाँ बंद नहीं करनी चाहिए। ये दवाइयाँ लक्षणों को नियंत्रित करने और संज्ञानात्मक कार्य को बनाए रखने के लिए बनाई गई हैं और इन्हें अचानक बंद करने से लक्षणों में और गिरावट आ सकती है।

मुझे अपनी मनोभ्रंश की दवाइयाँ कितने समय तक लेनी होंगी?

इलाज की अवधि व्यक्ति, रोग की प्रगति और निर्धारित दवा के आधार पर अलग-अलग होती है। आपका स्वास्थ्य सेवा प्रदाता आपको उपचार की उचित अवधि के बारे में मार्गदर्शन देगा। यह समझना ज़रूरी है कि ये दवाइयाँ कोई इलाज नहीं हैं, बल्कि रोग के प्रगति को नियंत्रित करने और धीमा करने में मदद करती हैं।

जब मनोभ्रंश उस स्तर तक बढ़ जाए जहाँ रोगी सभी बुनियादी दैनिक गतिविधियों के लिए पूरी तरह से दूसरों पर निर्भर हो जाए, और इन दवाओं का मूल उद्देश्य, संज्ञानात्मक और कार्यात्मक क्षमताओं को बनाए रखना, अब संभव नहीं रहता, तो दवा बंद करने पर विचार किया जाना चाहिए। हालाँकि, अपने डॉक्टर के मार्गदर्शन के बिना कभी भी स्वयं दवाइयाँ बंद करने का प्रयास न करें।

अगर मरीज़ अपनी डिमेंशिया की दवाएँ लेने से इनकार कर दे, तो देखभाल करने वालों को क्या करना चाहिए?

अगर कोई मरीज़ अपनी दवा लेने से इनकार करता है, तो देखभाल करने वालों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे धैर्य और समझदारी से इस स्थिति का सामना करें। खुलकर बातचीत करना सबसे ज़रूरी है। दवा की महत्ता, इससे होने वाले लाभ और दवा न लेने से होने वाले संभावित जोखिमों के बारे में चर्चा करें। अगर मरीज़ फिर भी मना करता है, तो डॉक्टर या किसी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ को बातचीत में शामिल करना मददगार हो सकता है। वे आगे की जानकारी और आश्वासन दे सकते हैं या ज़रूरत पड़ने पर वैकल्पिक उपचार सुझा सकते हैं। याद रखें, मरीज़ की स्वायत्तता और भावनाओं का सम्मान करते हुए उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा का भी ध्यान रखना ज़रूरी है।

करें

1. डॉक्टर के निर्देशों का सख्ती से पालन करें।

2. दवा लेने से पहले दवा का नाम, मात्रा और कितनी बार लेनी है, उस पर ध्यान दें।

3. पर्चे के लेबल को ध्यान से पढ़ें।

4. मात्रा, संकेत, निषेध और दुष्प्रभावों पर ध्यान दें।

5. दवा लेने की विधि समझें।

6. दवाओं को सही ढंग से स्टोर करें।

7. यदि डॉक्टर द्वारा कोई और निर्देश न दिया जाए, तो निर्धारित कोर्स पूरा करें।

8. यदि कोई सवाल हो, तो परिवार से बात करें और अपने स्वास्थ्य सेवा विशेषज्ञ से सलाह लें।

न करें

1. अपनी मर्ज़ी से दवा की मात्रा न बदलें।

2. डॉक्टर की सलाह के बिना दवा लेना बंद न करें।

3. दवा के साथ शराब का सेवन न करें।

4. दवा को किसी दूसरी बोतल में न रखें।

5. बिना डॉक्टर की सलाह के अन्य दवाएं न लें।

6. दवा लेने के बारे में डॉक्टर से झूठ न बोलें।

यह दस्तावेज़ मूल अंग्रेजी संस्करण का अनुवाद है। किसी भी विसंगति या असंगतता की स्थिति में, अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा।